सोलह महीने में सोनाली को मिलेगी नई पहचान

नई दिल्ली | वरिष्ठ संवाददाता

तेजाब हमले की शिकार सोनाली मुखर्जी अब नई पहचान का इंतजार कर रही है। नौ सालों के इंतजार और दर्द के बाद अब उसके चेहरे की सर्जरी शुरू हो गई है। उसके चेहरे की मृत कोशिकाओं को हटाकर डॉक्टर लैब में तैयार की गई नई त्वचा को लगाएंगे। इसमें कुल 16 महीने का समय लगेगा।

रिकंस्ट्रक्टिव एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जन डॉ. ए.एस बॉथ ने बताया कि एक हादसे की शिकार सोनाली को नया चेहरा देने के उनके अभियान की शुरुआत हो चुकी है। बीते सप्ताह उसकी पहली सर्जरी हो चुकी है। कृत्रिम त्वचा के लिए अकसर मरीज की जांघ या शरीर के अन्य हिस्सों की चर्बी का इस्तेमाल होता है। लेकिन सोनाली का वजन केवल 35 किलोग्राम है। ऐसे में लैब में स्टेम सेल और सिलिकॉन की मदद से कृत्रिम त्वचा तैयार की जाएगी।

नौ साल तक गहरे जख्मों के साथ ही सोनाली को सरकारी अस्पतालों ने भी दर्द दिया है। अब तक हुई उसकी 22 सर्जरी में से एक भी सफल नहीं हुई। सोनाली की बाईं आंख की रोशनी ही बची है। अपर लिड ऐक्ट्रोपियॉन से पलक तैयार की जाएगी।

ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. सुनील कथूरिया ने बताया कि वह 60 डीबी के बहरेपन से पीड़ित है। टाइम्पैनोप्लास्टी के जरिए क्षतिग्रस्त कान की कृत्रिम हड्डी बनाई जाएगी।

उसकी थायरॉयड ग्रंथि ने काम करना बंद कर दिया है, साथ ही शरीर में प्रोटीन और विटामिन डी की कमी भी है। रेडिएंड लाइफ केयर और इलाज कर रही टीम के प्रमुख डॉ. संजीव बघई ने बताया कि नये चेहरे को बनाने में 15 से 16 महीने का समय लगेगा। उन्होंने बताया कि कोशिश की जा रही है कि उसे पहले जैसा चेहरा मिले, लेकिन अधिकांश हिस्सों की कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। इसलिए लैब में तैयार सिलिकॉन त्वचा से फेस रिकंस्ट्रक्शन यानी चेहरे को दोबारा सधारा जाएगा।

मनोबल बढ़ाना भी जरूरी

सोनाली मुखर्जी साहसी है, लेकिन तेजाब फेंकने की घटना ने हौसला पस्त कर दिया। पहली सर्जरी से पहले चार घंटे सोनाली की मनोचिकित्सकों द्वारा काउंसलिंग की गई। पिता चंडीदास मुखर्जी ने बताया कि हादसे में छोटी बहन और उनके हाथ पर भी तेजाब की छींटे पड़े थे।

फिल्मी सितारों ने की मदद: सोनाली की मदद के लिए मुंबई की 'बेटी' संस्था ने कदम बढ़ाया। सिने सितारों की मदद से 72 घंटे के अंदर 38 लाख रुपये की जुटाए गए हैं।

सोनाली मुखर्जी (फाइल फोटो)

कई चरणों में होगा इलाज

- सोनाली के सिर के अधिकांश बाल जल चुके हैं। ऐसे में सीरियल स्कैल्प से उसके सिर की त्वचा बनाई जाएगी
- लैब में स्किन कल्चर किया जाएगा, जिसके लिए सिलिकॉन या फाइबर की मदद ली जाएगी।